

तारतम्य ता	लेखन में विचारों की तारतम्यता <b>नहीं</b>	लेखन में विचारों की तारतम्य ता <b>अल्प</b>	लेखन में विचारों की तारतम्यता <b>आंशिक</b>	लेखन में विचारों की तारतम्यता <b>अर्द्धपूर्ण</b>	लेखन में विचारों की तारत म्यता <b>पूर्ण</b>	
व्याकरण एवं वर्तनी	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता <b>नहीं</b>	व्याकर ण एवं वर्तनी की शुद्धता <b>अल्प</b>	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता <b>आंशिक</b>	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता <b>अर्द्धपूर्ण</b>	व्याकर ण एवं वर्तनी की शुद्धता <b>पूर्ण</b>	
निष्कर्षा त्मक कथन	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति <b>नहीं</b>	निष्कर्षा त्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति <b>अल्प</b>	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति <b>आंशिक</b>	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति <b>अर्द्धपूर्ण</b>	निष्कर्षा त्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति <b>पूर्ण</b>	

## 9. Detailed Syllabus

### सत्र-I (SEMESTER-I)

#### प्रयोजनमूलक हिंदी, भाषाप्रयुक्ति और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 411	प्रयोजनमूलक हिंदी, भाषाप्रयुक्ति और अनुवाद	03	01	-	04	04

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- प्रयोजनमूलक हिंदी के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान विकसित हो पाता है तथा राजभाषा हिंदी के मानक स्वरूप का अवबोध हो पाता है ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूपों एवं उनके प्रयोगों से परिचित हो पाते हैं।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की विविध प्रयुक्तियों एवं शैलियों के स्वरूप तथा प्रयोग की समग्र समझ विकसित हो पाती है।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के तकनीकी एवं समसामयिक पक्षों की समझ विकसित हो पाती है।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के अनुवाद संबंधी समस्याओं तथा उसके समाधान का बोध हो पाता है।

**इकाई 1:** प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप, उपयोगिता एवं विशेषताएं(सामान्य हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी का अंतर) |

**इकाई 2 :** प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप(बोलचाल, कार्यालयी, शास्त्रीय, वैज्ञानिक, तकनीकी, समाजपरक एवं साहित्यिक रूप) |

**इकाई 3 :** प्रयोजनमूलक हिंदीकी शैलियां और प्रयुक्तियां (शैलियां: सामाजिक, भावात्मक, संवाद, विचारात्मक, पत्र लेखन एवं बोलचाल की शैली, प्रयुक्तियां: साहित्यिक, कार्यालयी, वाणिज्यिक, राजभाषा, विज्ञापन, विधि एवं कानूनी भाषा, वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषा प्रयुक्ति) |

**इकाई 4:** प्रयोजनमूलक हिंदी के अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान |

**इकाई 5:** प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों के अनुवाद के नमूने |

**संदर्भ ग्रंथ सूची-**

- 1.सिंघल, ओम प्रकाश, प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिंदी, (जगताराम एंड संस, दिल्ली,2010)
2. पांडेय, कैलाश नाथ, प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका,(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009)
- 3.सिंह, दिनेश प्रसाद, प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007)
4. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत एवं प्रयोग,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004)
5. शर्मा, रघुनंदन प्रसाद, प्रयोजनमूलक हिंदी,(विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2008)

6. जैन, रमेश, प्रयोजनमूलक हिंदी, (नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली, 2004)
7. गोदरे, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007)
8. सिंह, विजयपाल, कार्यालयी हिंदी, (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007)
9. शाही, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, (आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा, 2004)
10. वाष्णीय, रश्मि, राजभाषा हिंदी 2020, (किताब घर, दिल्ली, 2010)

## सत्र-I (SEMESTER-I)

### हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 412	हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति और अनुवाद	03	01	-	04	04

### पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास के विविध संदर्भों का बोध हो पाता है।
- राजभाषा संबंधी नियमों एवं अनुच्छेदों की समझ विकसित हो पाती है।
- राजभाषा हिंदी के विकास से जुड़ी हुई संस्थाओं के स्वरूप एवं उनकी भूमिकाओं का बोध हो पाता है
- राजभाषा हिंदी के आधुनिकीकरण एवं अनुवाद के इतिहास का ज्ञान हो पाता है।

**इकाई 1:** हिंदी भाषा का उद्भव और विकास (हिंदी भाषा के प्राचीन, मध्य और आधुनिक काल हिंदी भाषा के विविध रूप) |

**इकाई 2 :** भारत के संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान (अनुच्छेद 343 से 351 तक) राष्ट्रपति के आदेश 1952, 1955, 1960, राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967) राजभाषा संकल्प 1968 एवं 1991, राजभाषा अधिनियम 1967 (यथा संशोधित 1987) |

**इकाई 3 :** राजभाषा हिंदी के विकास से जुड़ी हुई विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं (काशी नागरी प्रचारिणी सभा, हिंदी साहित्य सम्मेलन-प्रयाग, राज भाषा प्रचार समिति वर्धा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, हिंदुस्तानी अकादमी केंद्रीय

हिंदी संस्थान-आगरा, पूर्वोत्तर भारत की हिंदी प्रचार-प्रसार करने वाली संस्थाएं।

**इकाई 4** :राजभाषा हिंदी के अनुवाद का इतिहास।

**इकाई 5** :राजभाषा हिंदी का आधुनिकीकरण और अनुवाद।

#### सहायक ग्रंथ सूची-

1. शर्मा, राजमणि, हिंदी भाषा: इतिहास और स्वरूप वाणी, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2004)
2. मोहम्मद, मलिक, राजभाषा हिंदी: विकास के विविध आयाम, (प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली,2002)
3. गोदरे, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009)
4. झाल्टे, दांगल, प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग,(वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2004)
5. तिवारी, भोलानाथ, हिंदी भाषा,(किताब महल, इलाहाबाद,2005)
6. तिवारी, उदय नारायण, हिंदी भाषा का उद्भव और विकास.(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007)
7. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, राजभाषा हिंदी समस्याएं और समाधान,(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008)
8. सकलानी, मुनीराम, प्रशासन में हिंदी,(आशा पब्लिकेशन, देहरादून 1997)

### सत्र-I (SEMESTER-I)

#### अनुवाद विज्ञान और उसका सिद्धांत

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 413	अनुवाद विज्ञान और उसका सिद्धांत	03	01	-	04	04

#### पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- अनुवाद की अवधारणा एवं उसके विविध आयामों का बोध हो पाता है।

- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार की समझ विकसित हो पाती है।
- अनुवाद की परंपरा, उद्देश्य, सीमा एवं उसके सहायक साधनों का ज्ञान हो पाता है।
- अनुवाद संबंधी समस्याओं एवं उसके समाधानों का बोध हो पाता है।
- अनुवाद कौशल में दक्ष बनते हैं तथा अंतरअनुशासनिक विषयों के प्रयोग की समझ हो पाती है।

**इकाई 1:** अनुवाद की अवधारणा और आयाम

(अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, स्रोत और लक्ष्य भाषा की अवधारणा अनुवाद विज्ञानया कला, अनुवादक के गुण) |

**इकाई 2:** अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

(क्षेत्र-बातचीत, धर्म, पत्राचार, न्यायालयी, मशीनी, कार्यालयी, शिक्षा, सांस्कृतिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, साहित्य और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्षेत्र में अनुवादप्रकार-साहित्य की विधा,विषय और अनुवाद के आधार पर) |

**इकाई 3:** अनुवाद के लिए सहायक साधन (टूल्स),अनुवाद की परंपरा: भारतीय एवं पाश्चात्य|

**इकाई 4:** अनुवाद संबंधी समस्याएं,अनुवाद संबंधित समस्याओं के समाधान|

**इकाई 5:** अनुवाद के उद्देश्य एवं सीमा|

**सहायक ग्रंथ सूची**

1. अय्यर, एन. ई. विश्वनाथ, अनुवाद काला,(प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली,1990)
2. तिवारी, भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान (शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,2002)
3. तिवारी, भोलानाथ, अनुवाद काला,(शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1997)
4. सोनटक्के, आदिनाथ, अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग, (चंद्रलोक प्रकाशन, दिल्ली,1998)
5. कुमार, सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,1987)
6. पालीवाल,रीतारानी, अनुवाद सैद्धांतिकी, (आधार प्रकाशन, पंचकूला हरियाणा, 2000)
7. राय, त्रिभुवन, अनुवाद: स्वरूप और आयाम,(अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद,1998)
8. पालीवाल,रीतारानी, अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010)

## सत्र-I (SEMESTER-I)

### कार्यालयी हिंदी और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 414	कार्यालयी हिंदी और अनुवाद	03	01	-	04	04

#### पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- कार्यालयी हिंदी के स्वरूप एवं प्रयोग की समझ हो पाती है।
- कार्यालयीन हिंदी में पत्राचार की भाषिक विशेषताओं का बोध हो पाता है।
- कार्यालयी पत्राचार के विविध रूपों के स्वरूप एवं उनके प्रयोग की समझ विकसित हो पाती है।
- विविध सरकारी पत्रों के नमूनों के स्वरूप एवं अनुवाद-शैली का ज्ञान होता है।
- कार्यालयीन अनुवाद कौशल में प्रवीण बन पाते हैं।

**इकाई 1:** टिप्पण (टिप्पण के चरण, प्रकार, विशेषताएं एवं नमूने)

**इकाई 2:** आलेखन/ प्रारूपण (आलेख विधि, विशेषताएं एवं रूपरेखा की प्रस्तुति)

**इकाई 3:** सरकारी पत्राचार (शासकीय पत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन, अर्धशासकीय पत्र, कार्यालयी आदेश, पृष्ठांकन मितव्यय पत्र)

**इकाई 4:** सरकारी पत्राचार (अधिसूचना, संकल्प, अनुस्मारक, परिपत्र, सूचना, निविदा सूचना, प्रेस नोट, टेलेक्स संदेश, अनौपचारिक टिप्पणी, हिंदी तार)

## इकाई 5: विविध सरकारी पत्रों के अनुवाद के नमूने

### सहायक ग्रंथ

1. सकलानी, मुनिराज, प्रशासन में हिंदी, (आशा पब्लिकेशन, देहरादून, 1997)
2. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत एवं प्रयोग, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002)
3. गोदरे, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009)
4. शर्मा, रघुनंदन प्रसाद, प्रयोजनमूलक हिंदी, (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2008)
5. विराज, प्रमाणिक आलेखन और टिप्पण, (राजपाल एंड संस, दिल्ली, 2006)
6. भयाणी, अनूप चंद, पु०, व्यावसायिक संप्रेषण, (राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 1995)

## सत्र-I (SEMESTER-I)

### परियोजनाकार्य-I

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 415	परियोजनाकार्य-I	-	-	06	08	06

### पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- परियोजना तकनीक के स्वरूप का बोध हो पाता है।
- सृजनात्मकता एवं मौलिकता का विकास हो पाता है।
- अंतर-अनुशासनिक विषयों के अंतर्संबंधों की पड़ताल कर पाते हैं।
- अनुवाद कौशल एवं भाषिक-शैली की समझ विकसित हो पाती है।

### निर्देश :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम में लगभग 50 पृष्ठों की सामग्री का अंग्रेजी अथवा संविधान द्वारा स्वीकृत पूर्वोत्तर के किसी भी भाषा से हिंदी में अनुवाद-कार्य।

-----

## सत्र-II (SEMESTER-II)

### अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

(अंग्रेजी-हिंदी-अंग्रेजी)

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 421	अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष (अंग्रेजी-हिंदी-अंग्रेजी)	1	1	2	6	4

**पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-**

- अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद के व्यवहारिकता का बोध हो पाता है।
- कार्यालयी साहित्यकेअनुवाद की प्रकर्यात्मकता का ज्ञान हो पाता है।
- वाणिज्य, बैंक, वित्त, बीमा एवं जनसंचार के अनुवाद के प्रयोगात्मक पक्ष की समझ विकसित हो पाती है।
- सृजनात्मक साहित्य एवं ज्ञानात्मक साहित्य संबंधी विषयों के अनुवाद के व्यवहारिक पक्ष में दक्षता प्राप्त कर पाते हैं।।

**इकाई 1:** सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद  
(गद्यानुवाद और पद्यानुवाद)

**इकाई 2:** कार्यालयी साहित्य का अनुवाद  
(टिप्पणी, परिपत्र, प्रेसविज्ञप्ति, विज्ञापन, ज्ञापन, अनुस्मारक, सरकारी पात्र आदि)

**इकाई 3:** जनसंचार माध्यमों का अनुवाद  
(जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त शब्दावली का, समाचारों का विज्ञापनों का, रेडियोनाटक, फीचर लेखन आदि का अनुवाद)

**इकाई 4:** वाणिज्य, बैंक, वित्त एवं बीमा, साहित्य का अनुवाद

**इकाई 5:** ज्ञान साहित्य एवं सामाजिक-सांस्कृतिक सामग्री का अनुवाद (ज्ञान साहित्य में इतिहास, कला, विज्ञान आदि और सामाजिक-सांस्कृतिक सामग्री में मुहावरे, लोकोक्तियां आदि हैं)

**सहायक ग्रंथ सूची-**

- 1.कांत, सुरेश, बैंकों में हिंदी का प्रयोग,(राजपाल प्रकाशन, दिल्ली,1995)
2. रमेशचंद्र, राजभाषा हिंदी और तकनीकी अनुवाद,(कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली,2007)

3. सिंघल, ओम प्रकाश, प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिंदी,(जगताराम एंड संस, नई दिल्ली,2010)
4. दास, ठाकुर, कार्यालयी हिंदी,(जनवाणी प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली, 2009)
5. चमोला, दिनेश, व्यवहारिक राजभाषा कोश,(आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली,2009)
6. प्रसाद, दिनेश, प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2007)
7. हर्षदेव, सामयिक मीडिया शब्दकोश,(सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली,2006)

## सत्र-II (SEMESTER-II)

### जनसंचार माध्यम और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 422	जनसंचार माध्यम और अनुवाद	2	1	1	5	4

#### पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- जनसंचार के स्वरूप, महत्व एवं विविध माध्यमों का ज्ञान हो पाता है ।
- श्रव्य माध्यम के स्वरूप, लेखन-विशेषता एवं इसके विविध प्रकारों का बोध हो पाता है।
- दृश्य माध्यम के स्वरूप, लेखन-विशेषता एवं इसके विविध प्रकारों का बोध हो पाता है।
- विज्ञापन के स्वरूप, महत्व एवं भाषिक तथा लेखन विशेषताओं की समझविकसित हो पाती हैं।
- हिंदी जनसंचार के विविध माध्यमों के अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रयोग में दक्ष बन पाते हैं।

**इकाई 1:** जनसंचार: स्वरूप, महत्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय, हिंदी माध्यम-लेखनका संक्षिप्त इतिहास |

**इकाई 2:**श्रव्य माध्यम लेखन: स्वरूप और विशेषताएं, समाचार लेखन, रेडियो लेखन,उद्घोषणा लेखन, फीचर लेखन |

**इकाई 3:**दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन: स्वरूप और विशेषताएं, पटकथा लेखन, टेलीड्रामानिवेदन, साहित्यिक विधाओं का रूपांतरण |

**इकाई 4:**विज्ञापन लेखन: विज्ञापन का स्वरूप एवं महत्व, भाषिक विशेषताएं, विज्ञापन लेखन |

**इकाई 5: हिंदी जनसंचार माध्यम और अनुवाद के व्यावहारिक रूप :-**

- सामाचार संबंधी अनुवाद |
- जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त विविध पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद |
- जनसंचार माध्यमों की अभिव्यक्ति का अनुवाद |
- विज्ञापनों का अनुवाद |

### सहायक ग्रंथ सूची

1. शाही, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, (आधार प्रकाशन, पंचकूला हरियाणा, 2004)
2. तिवारी, अर्जुन, हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007)
3. गर्ग, सी. एल, सूचना एवं दूरसंचार प्रौद्योगिकी, (पूनम पुस्तक भवन, दिल्ली, 2008)
4. इस्सर, देवेन्द्र, जनमाध्यम संप्रेषण और विकास, (इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 2008)
5. सेठी, हरीश कुमार, ई-अनुवाद और हिंदी, (किताबघर, दिल्ली, 2009)
6. मृगेश, माणिक, भूमंडलीकरण निजीकरण और हिंदी, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009)
7. गौतम, रूपचंद्र, मीडिया लेखन, (श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2006)
8. मिश्र, स्मिता, अमर, अमरनाथ, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बदलते आयाम, (भारत पुस्तक भंडार, नई दिल्ली, 2010)

## सत्र-II (SEMESTER-II)

### पारिभाषिक शब्दावली कोशविज्ञान और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 423	पारिभाषिक शब्दावली कोशविज्ञान और अनुवाद	1	1	2	6	4

### पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप, परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषता एवं विस्तार का ज्ञान हो पाता है।

- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण संबंधी मतों एवं हिंदी में तकनीकी शब्दावली और पारिभाषिक शब्दावली के विकास एवं वर्तमान स्थिति का सम्यक बोध हो पाता है।
- कोश विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, महत्व, प्रकार एवं निर्माण प्रक्रिया का बोध हो पाता है।
- हिंदी कोश निर्माण का इतिहास, प्रमुख कोश एवं कोशकार तथा कोश और अनुवाद का संबंध जैसे पक्षों की समग्र समझ विकसित हो पाती है।
- पारिभाषिक शब्दों का हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद और उनका कोश क्रमानुसार व्यवस्थित करने का बोध हो पाता है।

**इकाई 1:** पारिभाषिक शब्दावली: परिभाषा, स्वरूप और विस्तार, सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्द का अंतर, पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएं, पारिभाषिक शब्दावली का वर्गीकरण।

**इकाई 2:** पारिभाषिक शब्दावली: पारिभाषिक शब्दावली निर्माण संबंधी मत, हिंदी में तकनीकी शब्दावली का विकास, हिंदी पारिभाषिक शब्दावली की वर्तमान स्थिति और एकरूपता की समस्या।

**इकाई 3:** कोशविज्ञान: परिभाषा, स्वरूप, महत्व, कोश और व्याकरण, कोश के प्रकार, कोश निर्माण की प्रक्रिया।

**इकाई 4:** कोशविज्ञान: कोश और अनुवाद, कोश निर्माण की समस्या, हिंदी कोश निर्माण का संक्षिप्त इतिहास, प्रमुख कोश ग्रंथ और कोशकार।

**इकाई 5:** पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी) शब्दों का कोश-क्रम (वर्णक्रमानुसार) से व्यवस्थित करने का अभ्यास।

**संदर्भ ग्रंथ सूची -**

1. त्रिहद् पारिभाषिक शब्द संग्रह (मानविकी और सामाजिक विज्ञान), (वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली, 1992)
2. (स०) कपूर, बद्रीनाथ, हिंदी मुहावरे और लोकोक्ति कोश, (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007)
3. हर्षदेव, सामायिक मीडिया शब्दकोश, (सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006)
4. गोयल, नितिन, कंप्यूटर विज्ञान विश्वकोश, (ऊर्जा प्रकाशन, दिल्ली 2010)
5. जैन, रमेश, शर्मा, कैलाश, मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी, (पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2009)
6. गर्ग, लक्ष्मीनारायण, हिंदी शब्द-प्रयोग कोश, (किताबघर, नई दिल्ली, 2007)

**सत्र-II (SEMESTER-II)**

## परियोजनाकार्य-II

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 424	परियोजनाकार्य-II	-	-	06	08	06

### पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- परियोजना तकनीक के स्वरूप का बोध हो पाता है।
- सृजनात्मकता एवं मौलिकता का विकास हो पाता है।
- अंतर-अनुशासनिक विषयों के अंतर्संबंधों की पड़ताल कर पाते हैं।
- अनुवाद कौशल एवं भाषिक-शैली की समझ विकसित हो पाती हैं।

### निर्देश :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम में लगभग 50 पृष्ठों की सामग्री का हिंदी से अंग्रेजी अथवा संविधान स्वीकृत पूर्वोत्तर की किसी भी भाषा में अनुवाद-कार्य।
- दोनों सत्रों के परियोजना-कार्य (I&II) की मौखिकी।